| ~ 5'rugi | વય | ·····ଘ୍ରିୟୟ'ଫ୍ରି'ୟମ୍ବ,ଷ'×୍ୟ-'ଜ୍ର'ଷ'×୍ | |
|---------------------------------------|---------------------------|---------------------------------------|---|
| क्वासरायुषास्त्रेने र्हेन्पहेंब्रासरा | J \$ 30 day | | |
| देनवर्त्वानम् | | ₹₹∄ | |
| ¥:31×: | : | ¥:31<- | : |
| र्वे/बॅ | : | र्वे/से | : |
| ક્રુેઅ <i>`</i> ઢૅઅ | : | ક ્રેુંચ <i>હે</i> ચ | : |
| भ्र.पिटशालचा क्रियालय | : | भ्र.पिटन्न.जचा क्रेट.लट. | : |
| ધ /ત્રાહ્મેદ | : | ત.\જા.શુન. | : |
| प्रकालर. | : | र्चश.लट. | : |
| ग्रीट.लट. | : | ग्रीट.लट. | : |
| नायुन | : | यातीय. | : |
| केंद्र देंग | : | केंद्र र्देग | : |
| <u>ई</u> ट्रायग | : | <u>ई</u> म् ।यग | : |
| থশবেশ্বৰ | : | থশ'নেশ্বৰ | : |
| क्रुनके हिंदंन | : | क्चुन के /र्रे कंच | : |
| | ₹ 5₹ ₹ //// | | |

१ ईन् मिनैदैर्न्

१.१ ्रियायह्यायाः चर्ड्याद्वायद्वायाः

१ वेशवहग्राम

२.१ रिव<u>ड च</u>तुष्

३ क्षुव ग्राच्यवा

| <i>ব.</i> ? | र्द्भेन्:ब्रुट्रेन्चस्र- | গ্রীকুপ | "સી |
|-------------|---------------------------------------|----------|------------|
| ব. ব | स्र में ब स्व मायव | গ্রীক্রম | સી |
| ব. ব | र्वेग् अदे पर्हे ५ देव | §}&~ | લ <u>ા</u> |
| ব. c | चक्तात्व स्त्रुव मायव | গ্রীক্রম | સી |
| Ϡ. Ϥ | मैंचड़ेर.\अरूब.सूब.क्षेत्र.याजव | গ্রীক্রম | લ <u>ા</u> |
| 3. ૯ | ट्रंभिट:प्र.विरश्नीःक्षेष्यःग्रीश्रवः | গ্রীক্রম | લી |
| 3. ៧ | गोर्ने र स्वेन स्वायाया | গ্রীক্রম | સી |
| 3. ረ | मुंबरासेतः विचन्धनः | গ্রীক্রম | લી.! |
| 3. @ | প্রষ্থ নর্মু প্রধারে ই শ্রীদ | \$\]-\$\ | લ <u>ી</u> |

वैयन्त्रेर। (र्गनर्डेश सेर्प्सर त्र न्त्रुश)

- ८.२ र्र्ग्यश्च्रेत् उत्रह्में श्वराणाच्या स्वात् क्षेत्रात् क्षेत्रात् क्षेत्रात् क्षेत्रात् क्षेत्रात् क्षेत्र ८.२ र्र्म्यश्च्रेत् उत्रह्में श्वराणाच्या स्वाप्त क्षेत्रात् क्षेत्रात् क्षेत्रात् क्षेत्रात् क्षेत्रात् क्षेत्
- ८.३ र्रेगशर्भेव उवर्र्भेव न्यान्हेर् श्रीकेया वयर्भेर्भेय प्याप्त स्थानेत्र स्थाप्त स्थापत स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत स
- दममास्य सुधायते हमायहें भ्री हेरा क्ष्या के क्षा के का क्षा के का का का का के क्षा के क्षा के क्षा के क्षा के क्षा के क्षा के का क
- दमामानर संजानते स्मानहेंद्र ही हैं अ
- ८.८ न्यन्येन्स्येन् त्याप्त्राप्त्राचित्रः क्ष्रम् क्ष्रम्

| | न्धर धेर्ट हें हो हो हो है है हैं की कि की कि की |
|----------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| श्चेक्र | <u> </u> ह्ट्राव/र्वेव्युक्तेमा स्वापास्यःस्यायदेःस्यायहेर् क्वेक्ट्रिक्यः उत्तर्भते व्राप्तायस्य |
| డ.ి | थै'सेर'तर्गे तहें वहें सेर |
| | तमामान्यरःसुरान्ततेःक्षुवःतुः क्षुक्षेत्रः क्षुक्षेत्रः क्ष्यान्यः उवस्यते वदःमान्यय |
| ≃.20 | वह्रव नर्वर मार्ट् श्रर व्याप्त क्षा ह्रें केंग्ने देव क्षेत्र राज्य ह्ये हें त्या प्राप्त हिनाय / देव विकास मि |
| | શું.શુંત્ર.ત્યું,તદ્ભવ.લું.લુંતા.ત્વું.શુંવ.લું. શ્રું ઢૂંય |
| c. 99 | तह्रवाचन्द्राचन्द्रिया हित्राम् वर्षः इद्द्रियादेवः भूराधराः श्रुकेराः । स्ट्राम प्रचित्राधियाः |
| | तमामास्य सुरा नते रमानर्हे र श्रुकेरा श्रुकेरा उत्तर स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्व |
| c.12 | र्द्रर्-र्द्रवार्रेयःसूरःपन् श्रुकेता |
| | तमामार्चेतःकेशतह्मानाः श्रुकेराः |
| ૯. /3 | र्देग्यार्चेब उब रें औरब्या रेंद्र केंबा देव सेंद्र सेंद्र त्या है केंब राज्या है केंब राज्या है के स्वाप |
| | त्रियम् स्याप्तियः निर्माणयः क्ष्रीक्रियः । चित्रमाण्यः विद्याः । चित्रमाण्यः । चित्रमाण्यः । चित्रमाण्यः । चित्रमाण |
| ප. ე c | र्देग्यश्चेत्र उत्र देशेर व्याप्त क्षेत्र केत्र केत्र केत्र क्षेत्र त्या क्षेत्र केत्र व्याप्त क्षेत्र त्या क्षेत्र केत्र व्याप्त क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र व्याप्त क्षेत्र क्षेत्र व्याप्त क्षेत्र क्षे |
| | प्रेअस'स्रस्'स्र्याचतेःस्माचर्हेन् श्रुकेंसःउत्यते वृत्तः म्राया |
| c .94 | केशतब्रियाम्बर्सिकाम्बर्धिकाम्बर्धिकाम्बर्धिकाम्बर्धिकाम्बर्धिकाम्बर्धिका |
| | प्रमाणका क्षेत्रका क |
| ~. 76 | केशतम्बर्धाः महिन्द्रम् विष्यः क्षेत्रं क्षेत्रम् विषयः क्षेत्रम् विषयः क्षेत्रम् विषयः क्षेत्रम् विषयः विषयः क्षेत्रम् विषयः विषयः क्षेत्रम् विषयः विषय |
| | प्रेअशःश्वरःस्त्राःचतःस्त्राचहेंतः श्रुकें |
| ≃. ?₪ | १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ |
| | प्रेअसःस्ररःस्रियः नदिः न्या नहें नः ह्ये हे सः क्षेत्रः स्वात्रः व्यात्रः व्यात्रः व्यात्रः व्यात्रः व्यात्रः व |
| ~. 94 | न्यर्ट्यर्ट्सेर श्रेर्ट्स व्या र्ड्रन्र्वेग्न्देवेर्झ्नर त्ययः श्रुकेयः |
| | ष्रिअशःश्वरःसुतः नतेःस्यानर्हेनः श्चे क्रेंशः अवः अतः वृतः यात्राया |
| c.9e | भै सेर तर्गे तहे व रे भेर किता केर केर मिलिय है ते केर तथा के केर किता है ते केर किता है केर किता है केर किता है कि कि किता है केर किता है कि कि किता है कि कि किता है कि किता है कि कि किता है कि किता है कि किता है कि |
| | ष्रिसराय्यः प्रतायदे प्रणायहें प्रकृष्टियः क्षेत्रे विकास कर्मा स्वाप्या कर्मा स्वाप्या कर्मा स्वाप्या कर्मा स |
| డ. 30 | वह्रव नर्जेट तर्ट् श्रट विष्य क्षेत्र हुंचे हुंच हुंच हुंच क्षेत्र जना क्षेत्र हुंच विषय हुंच विषय हुंच विषय हुंच |
| | ष्रिसरास्त्रः स्त्रियः निर्दे न् श्चे के स्वान्य क्ष्यः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स |
| e.31 | केशतर्देग्वयम्दिक्षरः विष्यम् ईन्क्रिंग्नेतिक्ष्मरः एवः श्रुकेव |
| | त्रिअन्न:न्यन्यत्वेत:चक्त्वेत:त्यक्, श्रुंकेंक्रन: |

प चनिर चर्छन्।

u.2 र्डेंन्?र्वेगा///

७ तसुक्रेंना

- G.2 養石資啊///
- ૯.૧ કેંદ્ર-દ્વાદ્યનું મુસ્ય લે કેંદ્ર-દ્વ-જેય કેંદ્ર-ગ્રાચલ ગાવદ્ય કુંદ્વ-ગ્રી હોય યાદ્રેન્ટ ક્વાદ્યને હિલ્લ યાદ્રન્ય કેંદ્ર- કેંદ્ર-

न्गाय:ग्री

कुर्मायर्र्ग्नायान्तरः क्र्राचित्रः क्रियान्तरः क्रियान्तरः स्वाप्तरः स्वाप्तरः स्वाप्तरः स्वाप्तरः स्वाप्तरः म्वाप्तरः स्वाप्तरः स्वापतः स्वाप्तरः स्वापत्रः स

रट्नीययथान्न्यर्र्भरट्वा विचट्ट्यर्र्भर्यायम्

| र्मणःसृत | 'বর্ষীনানধ্,ট্রেং | য়ঝয়ৣ৽৴য়ৄ৾ৼ৵ | गर्देबःक्ष्ररः | ⁶ ર્કન્ ક્ષેર્ટ્સ | ·····दें तहें व ंच्चुंद | রবদ্'বরি'ঈ'ঝ' | ∄ ð√~~~~ | ଧ୍ୟ |
|------------|-------------------|-------------------------|----------------|------------------------------|--------------------------------|----------------------|------------------------|-----------|
| ₹····· | "គ಼್ಷಚ""""" | ·'ৡ ৾৾ য়ৢৼ৾ঌ৾৾৾ | | नेशः <u>वि</u> स्रशः पर्देतः | र्-भ्रेव-गुप-पायश | শ্লুব:ক5:শার্ক | , 3 ८-ৡ৾৶৸৴ | ্বগ্রীর্ন |
| लेश ग्रावर | าชั | ã | ાશુત | भ श्रुक्त्रअ | रमण.जैब.पर्चेब.मधु.ह | র্বিঅশ'শ্রী'নগাব'ক্স | | |

(55.25/4)